वागड़ संदेश

Tital Code : RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई-मेल - editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631

9309255545

6351581818

वर्ष-2 अंक-23 सागवाड़ा,शुक्रवार,7 अक्टूबर, 2022 भाषा : हिन्दी ई-पेपर अवधि:(वार्षिक) मूल्य-10 रु. पृष्ठ-1

शिक्षक भवंरलाल के खिलाफ लामबंद हुए आदिवासी, गिरफ्तारी नही होने से नाराज विधायक के नेतृत्व में रैली निकाल किया प्रदर्शन

सरकारी शिक्षक भंवरलाल द्वारा आदिवासी महिलाओ पर अमर्यादित टिपण्णी करने का मामला तुल पकड़ता जा रहा है

डूंगरपुर। जिले में सरकारी शिक्षक भंवरलाल द्वारा आदिवासी महिलाओ पर अमर्यादित टिपण्णी करने का मामला तुल पकड़ता जा रहा है। पिछले दिनों आदिवासी महिलाओ द्वारा शिक्षक भंवरलाल के खिलाफ कलेक्ट्री पर प्रदर्शन करने और उसके खिलाफ कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज करवाने के बाद आज एक बार फिर आदिवासी समाज के हजारो लोग सडको पर उतरे और आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार करने की मांग रखी। विधायक गणेश घोगरा के नेतृत्व में हजारों आदिवासियों ने रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया।

डूंगरपुर विधायक एवं यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश घोगरा के नेतृत्व में आज आदिवासी समुदाय के हजारो महिला-पुरुष पहले वागड़ गाँधी वाटिका में एकत्रित हुए और आरोपी शिक्षक भंवरलाल को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर शहर में रैली निकाली। विधायक गणेश घोगरा के नेतृत्व में हजारों आदिवासी वागड़ गांधी वाटिका से रवाना हुए। रैली वागड़ गांधी वाटिका से रवाना होकर नया अस्पताल, नया बस स्टैंड और तहसील चोराहा होते हुए विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी और कलेक्ट्रेट पर पहुँची ब सभा का आयोजन हुआ। सभा को डुंगरपुर विधायक गणेश घोगरा सहित अन्य कांग्रेसी नेताओं ने संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए विधायक गणेश घोगरा ने कहा कि सरकारी शिक्षक भंवरलाल ने आदिवासी महिलाओ का अपमान किया है और मुकदमा दर्ज होने के 10 दिन बाद भी पुलिस ने उसे गिरफ्तार नहीं किया है जिसको लेकर आदिवासी समाज में आक्रोश है।

विधायक ने कहा कि शिक्षक भंवरलाल को गिरफ्तार करने और उसे निलंबित करने के की मांग को लेकर आदिवासी महिलाओ को सडको पर उतरना पड़ा है और शीघ्र ही आरोपी शिक्षक के खिलाफ कार्यवाही नहीं हुई तो आन्दोलन तेज होगा। इस दौरान विधायक ने ऐसे शिक्षक का समर्थन करने वाले लोग व संगठनों पर भी जमकर निशाना साधा।

जिस अधिकारी से डूंगरपुर विधायक घोघरा नाराज़ थे वे अब सागवाडा SDM

* अब सागवाडा में यह चर्चा है कि कांग्रेस के विधायक गणेश घोघरा जिस अधिकारी से नाराज़ थे उस अधिकारी को डूंगरपुर ज़िले में वापस कौन लाया है ?
* मणिलाल तीलगर की डूंगरपुर ज़िले में वापसी से यह भी चर्चा बनी हुई है कि अब गणेश घोघरा की सरकार में कहीं कहीं पकड़ कमज़ोर हुई है?
* मणिलाल तीलगर पूर्व में भी सागवाडा में तहसीलदार के पद पर रह चुके हैं

सागवाडा। यूथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष और डूंगरपुर MLA गणेश घोघरा जिस अधिकारी से नाराज़ थे उन्हें क़रीब चार माह के बाद सागवाडा में SDM पद पर लगाया गया है। नव नियुक्त SDM मणिलाल तीलगर पूर्व में भी सागवाडा में तहसीलदार के पद पर रह चुके हैं। सुरपुर पंचायत में प्रशासन गांवों के संग अभियान के फॉलोअप शिविर में पट्टे नहीं मिलने से नाराज MLA गणेश घोघरा, समर्थकों और ग्रामीणों ने स्थरू मणिलाल तिरगर समेत अधिकारियों को ताले में बंद कर दिया था। इसके बाद डूंगरपुर तहसीलदार की ओर से MLA गणेश घोघरा समेत 60 लोगों के खिलाफ राजकार्य में बाधा ओर बंधक बनाने का केस दर्ज करवाया था। इससे नाराज MLA गणेश घोघरा ने दूसरे दिन विधायक पद से इस्तीफा ष्टरू को भेज दिया था। विधायक ने ADM राजीव द्विवेदी और स्थरूमणिलाल तीरगर पर पट्टों के आवंटन में अवैध तरीके से रुपयों की मांग करने ओर दबाव में केस दर्ज करने के आरोप लगाए थे। इसके बाद से MLA सरकार से भी नाराज चल रहे थे। इसके बाद मणिलाल तीलगर को डूंगरपुर SDM पद से APO कर दिया था। इधर, अब सागवाडा में यह चर्चा है कि कांग्रेस के विधायक गणेश घोघरा जिस अधिकारी से नाराज़ थे उस अधिकारी को डूंगरपुर ज़िले में वापस कौन लाया है ? डूंगरपुर SDM मणिलाल तिरगर से विवाद के बाद उन्हें एपीओ कर दिया गया है। आरएएस मणिलाल तिरगर को कार्मिक विभाग (क 4) में उपस्थित रहने के आदेश दिए थे। इसके बाद से ही तीलगर नई जगह की तलाश में थे। बताया जा रहा है कि हाल ही में RAS अधिकारियों की जो ट्रांसफर की लिस्ट निकली है उसमें सभी नेताओं को खुश करने उनके चहेते अधिकारियों को नेताओं की मनचाही जगह पर लगाया गया है। अधिकारियों के APO प्रकरण के बाद यह तस्वीर उभरी थी कि डूंगरपुर के युवा आदिवासी नेता विधायक गणेश घोघरा का क़द सरकार और बढ़ा है। इधर, मणिलाल तीलगर की डूंगरपुर ज़िले में वापसी से अब यह भी चर्चा बनी हुई है कि अब गणेश घोघरा की सरकार में पकड़ कमज़ोर हुई है? यह भी बात सामने आ रही है कि डूंगरपुर ज़िले की कांग्रेस बढ़ती गुटबाज़ी को देखते हुए आला कमान ने सभी नेताओं को यह निर्देश दिए थे कि वे अपने अपने विधानसभा क्षेत्रों तक ही सीमित रहे।पिछले कुछ माह में आयोजित कार्यक्रमों में देखने को भी मिला है की कोई भी नेता अपने विधानसभा से बाहर कार्यक्रमों में अतिथि बनकर नहीं जा रहा है। इधर, SDM रामचंद्र खटीक का सागवाडा में अब तक का सबसे कम कार्यकाल बताया जा रहा है।

हालाँकि अंदरखाने चर्चा है कि SDM रामचंद्र खटीक सागवाडा में नहीं रहना चाह रहे थे।

बैंक मैनेजर सहित तीन जनों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

सीमलवाड़ा । बड़ौदा राजस्थान क्षत्रिय ग्रामीण बैंक शाखा सीमलवाड़ा के मैनेजर सहित तीन लोगों के खिलाफ एक बुजुर्ग ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है। धंबोला सीआई हजारीलाल मीणा ने बताया कि कनबा निवासी पूजा पुत्र फुदा डामोर ने तत्कालीन वर्ष 2013 - 14 शाखा प्रबंधक भवानी शंकर गर्ग , रामसौर बड़ा निवासी पूजा पुत्री कालू डामोर, एवं एक अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। मामले में बताया कि प्रार्थी पूजा डामोर की उम्र 90 साल एवं उसकी पत्नी की उम्र 77 साल है और सरकारी वृद्धावस्था पेंशन मिल रही हैं जोकि बड़ौदा राजस्थान क्षत्रिय ग्रामीण बैंक शाखा सीमलवाड़ा में जमा हो रही है। पिछले एक साल से गांव में ही बीसी केंद्र से पेंशन की राशि निकालने जाने पर खाता बंद होने की जानकारी मिल रही है। जिसकी समस्या को लेकर बैंक शाखा में जाने पर मेनेजर ने बताया कि 30 सितंबर 2013 को एक लाख 12 हजार रुपए का केसीसी ऋण लेने की जानकारी सामने आई। वही पेंशन की राशि उक्त ऋण खाते में जमा की जा रही है। प्रार्थी ने बताया कि उसने कभी भी बैंक से केसीसी ऋण नहीं लिया है और ना ही कोई आवेदन किया है। तत्कालीन मेनेजर ने अन्य दो लोगों से मिलकर कुटरचित दस्तावेज तैयार कर खाते पर फर्जी तरीके से लोन उठाकर धोखाधड़ी करने व राशि को अपने पास खुर्द बुर्द कर अमानत में खयानत करने का आरोप लगाया है। प्रार्थी ने बताया कि बैंक में पेंशन की 11 हजार की राशि बिना स्वीकृति के समायोजन की हैं जिससे बुजुर्ग दंपति को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है।

जीवन के साथ फ़ैसले कुछ भी हो लेकिन हमारे हौसले मज़बूत होना चाहिए - कमलेश भाई शास्त्री

रामद्वारा सागवाडा में संत केवलराम महाराज के चतुर्मास के समापन

सागवाडा। रामद्वारा सागवाडा में संत केवलराम महाराज के चतुर्मास के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राम कथा वाचक कमलेश भाई शास्त्री ने कहा कि साधु, संग और सत्संग मेहनत से नहीं मिलता इसके लिए उसकी रहमत होनी चाहिए। इस युग में साधु मिलना मुश्किल है, वे भाग्य से मिलते है । जो भजन से दूर ले जाए ऐसे लोगों का भी संग नहीं करना चाहिए। शास्त्री ने कहा कि रामचरितमानस में तुलसी ने कहा है कि साधु तीर्थ के समान है, वो चलते फिरते तीर्थ है। वो समाज के बीच विचरण कर आशीर्वाद देते हैं । साधु की अपनी महिमा है। स्वधर्म में जीवन की यात्रा है। धर्म प्रदर्शन का नही दर्शन का विषय है। दर्द को समझने को तैयार नही हैं । सबको कुछ न कुछ चाहिए । सत्व की यात्रा न करें तत्व को जानने की ज़रूरत है ।

हालात को चेंज भी नहीं किया जा सकता और उसे चैलेंज भी नहीं किया जा सकता है। जीवन के साथ फ़ैसले कुछ भी हो लेकिन हमारे हौसले मज़बूत होना चाहिए। संत केवल राम ने कहा कि सत्संग जीवन जीना सिखाती है, जो मानव जीवन में अमृत के समान है। उन्होंने कहा कि मन की पीड़ा, नींद, रोग सभी सत्संग से दूर होते हैं। रामद्वारा समिति के अध्यक्ष सुधीर वाडेल ने रामद्वारा में चल रहे कार्य पर चर्चा की। इस दौरान प्रभुलाल वाडेल, सुरेश शर्मा, बलदेव सोमपुरा, हेमंत सोमपुरा, गोपाल भावसार, दामोदर दलाल सहित खेडुआ समाज, भावसार, सोमपुरा, दर्जी, नीमा, पंचाल, मोची समाज के अलावा अन्य समाज के श्रद्धालु मौजूद रहे।

सागवाड़ा की पूर्व प्रधान ने पर फर्जी पट्टा बनाकर जमीन हड़पने का मामला दर्ज

जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप, पति-बेटे ने गिराई जमीन की बाउंड्री

सागवाडा। सागवाड़ा से पूर्व प्रधान आशा डेंडोर, उसके पति और बेटे के खिलाफ फर्जी तरीके से पट्टा बनाकर जमीन हड़पने का केस दर्ज हुआ है। पीड़ित ने मामले में जमीन की बाउंड्री गिराकर उसे धमकियां देने के आरोप लगाए हैं। सागवाड़ा पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।थानाधिकारी शैलेंद्र सिंह ने बताया की दीपक पुत्र प्रेमचंद सुथार, किशोर पुत्र नाथूलाल सुथार निवासी पुनर्वास कॉलोनी सागवाड़ा ने मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि उसका रजिस्टर्ड भूखंड संख्या 61 ब्लॉक ए में स्थित है। मौके पर जमीन की बाउंड्री भी की हुई है। बुधवार को पूर्व प्रधान आशा डेंडोर, उसके पति और बेटे ने भूमाफियाओं से मिलकर फर्जी दस्तावेजों से फर्जी पट्टा 61ए बनाकर बाउंड्री गिरा दी। इससे उसे 5 लाख रुपए का नुकसान हुआ। वहीं, आरोपियों ने फोन कर धमकियां दी की, यहां से हट जाओ नहीं तो जान से मार देंगे। झूठे मुकदमे में फंसाने की भी धमकियां दी। पीड़ित ने बताया की फर्जी तरीके से पट्टा बनाकर उसकी रजिस्ट्री की गई है। कड़ाणा विभाग में इसका कोई रिकॉर्ड भी नहीं है। विभाग की ओर से जारी पट्टा सूची में कहीं भी 61ए का भूखंड नहीं है, जबकि भूखंड 61 और भूखंड संख्या 62 के बीच नाले की जमीन है, जिसे 61ए दिखाया जा रहा है। ऐसे में हमारी जमीन पर अतिक्रमण करने की कोशिश की जा रही है। पीड़ित ने आरोपी पूर्व प्रधान, उसके पति और बेटे के खिलाफ फर्जीवाड़े का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सादडिया भातीजी मंदिर का 14 वां पाटोत्सव, संतों का महासंगम हुआ

सीमलवाड़। ग्राम पंचायत सादडिया में स्थित भातीजी महाराज मंदिर का 14 वा पाटोत्सव महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान संतों का महासंगम भी हुआ। बेणेश्वर धाम पीठाधीश्वर अच्युतानंद महाराज, भारत माता मंदिर बांसवाड़ा के रामस्वरूप महाराज, लसुड़िया धाम के विक्रम गर महाराज, महेंद्र महाराज, नारायण महाराज, गोविंद गुरु धाम बांसिया के गिरवर गिरी महाराज, नारायण गिरी, प्रेम गिरी, नरेंद्र गिरी, महंत हरिओम चरण दास , घोटिया अंबा बांसवाड़ा से महंत गिरिराज पुरी, सलारेश्वर महादेव पीठ से महंत सहदेव महाराज, सूराता धाम से रतन गिरी, बादीया बडली से ताजू महाराज, नीलकंठ महादेव से कैलाश गिरी, कल्याण धाम बांसिया के महंत जसवंत सिंह सहित विभिन्न धूनियो के महंत, मेट, कोतवाल समेत सैकड़ों की तादाद में भक्तजन धर्मप्रेमी मौजूद रहे। धर्म महोत्सव को संबोधित करते हुए बेणेश्वर पीठाधीश्वर अच्युतानंद महाराज ने कहा कि संतों का महासंगम देश की तस्वीर और तकदीर बदल सकता है। उन्होंने कहा कि धर्म के प्रति आस्था और विश्वास से शक्ति का संचार होता है। उन्होंने बेणेश्वर धाम पर 27 नवंबर से छह दिवसीय शिखर प्रतिष्ठा एवं 1008 कुंडीय महायज्ञ महोत्सव को लेकर संतों को न्यौता देते हुए कहा कि इस पवित्र महोत्सव में अपना सहयोग प्रदान करें। संतो ने धर्म प्रवचन मैं कहां की अखंड राष्ट्र का निर्माण शुरू हो गया है। आने वाले समय में विश्व पटल पर हिंदू राष्ट्र का डंका बजने वाला है। राम स्वरूप महाराज ने कहा कि हिंदू धर्म की जड़ों को हिलाया जा रहा है, धर्म मार्ग से भटकाने का कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को हिंदू होने का गर्व जिस दिन जाग जायेगा उस दिन हिंदू धर्म सुरक्षित हो जाएगा। स्थानीय महाराज कारी लाल ननोमा सहित ने संतों का एवं धर्म प्रेमियों का स्वागत अभिनंदन किया। पाटोत्सव महोत्सव कार्यक्रम में मंदिर में पूर्णाहुति हवन, भजन कीर्तन एवं महा आरती, महा प्रसादी का आयोजन हुआ। इस धार्मिक आयोजन में पूर्व राज्य मंत्री सुशील कटारा, पूर्व विधायक शंकरलाल अहारी, पूर्व प्रधान निमिषा भगोरा, सरपंच संघ ब्लॉक अध्यक्ष बाबूलाल डामोर, विजयपाल डोडियार, गोवर्धन लाल, संजय कलासुआ, विमल प्रकाश डोडियार, मुकेश खाट,कालू राम डामोर,रूपचंद भगोरा, अनिल मिश्रा, गोविंद राम पाटीदार, देवेंद्र सिंह सोलंकी, महावीर ननोमा, उदय लाल बंजारा नरेश ननोमा, भंवर लाल कलासुआ, खातुराम , शिवलाल, जगदीश पंड्या सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। संचालन अजीत जैन ने किया।

25 हजार रिश्वत लेते संयुक्त निदेशक गिरफ्तार

जयपुर। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर जोधपुर एस.यू. इकाई द्वारा आज कार्यवाही करते हुये अनिल कुमार भाटी प्रशासनिक अधिकारी, कार्यालय संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, जोधपुर संभाग को परिवादी से 25 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि ए.सी.बी. की जोधपुर एस.यू. इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि निकट स्थान पर पदस्थान देने की एवज में प्रेमचंद सांखला संयुक्त निदेशक एवं विक्रम गहलोत अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा अपने दलाल अनिल कुमार भाटी प्रशासनिक अधिकारी, कार्यालय संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, जोधपुर संभाग के माध्यम से 50 हजार रूपये की रिश्वत राशि मांगकर परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी, जोधपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस सवाई सिंह गोदारा के सुपरवीजन में एसीबी की जोधपुर एस.यू. इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गसिंह राजपुरोहित के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज पुलिस निरीक्षक राजेन्द्र सिंह एवं उनकी टीम द्वारा ट्रेप कार्यवाही करते हुये अनिल कुमार भाटी पुत्र आनन्द प्रकाश भाटी निवासी सी-183, सरस्वती नगर, जिला जोधपुर हाल प्रशासनिक अधिकारी, कार्यालय संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, जोधपुर संभाग को परिवादी से 25 हजार रूपये की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में प्रेमचंद सांखला संयुक्त निदेशक एवं विक्रम गहलोत अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी की भूमिका की जाँच की जा रही है।

विकास कार्यों से राजस्थान रच रहा है इतिहास: गहलोत

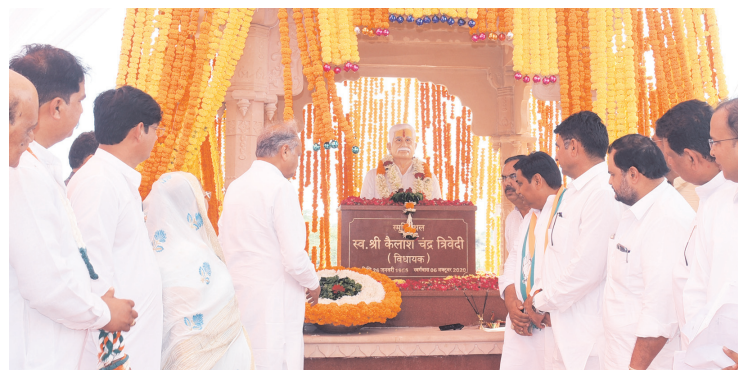

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कोरोनाकाल में सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन के लिए 'भीलवाड़ा मॉडल' की पूरी दुनिया में सराहना हुई। भीलवाड़ा सहित प्रदेश में राज्य सरकार के साथ सामाजिक संस्थाओं, धर्मगुरूओं और आमजन ने मिलकर मजबूती के साथ कोरोना से लड़ाई लड़ी है। गहलोत ने कहा कि भीलवाड़ा के विकास कार्यों में बजट की कमी नहीं आने दी जाएगी। यहां पूर्व विधायक स्व. कैलाश त्रिवेदी ने अपने कार्यकाल में विकास की गंगा बहाई थी, वह जारी है और आगे भी जारी रहेगी। गहलोत ने गुरूवार को भीलवाड़ा के रायपुर में पूर्व विधायक स्व. कैलाश त्रिवेदी की मूर्ति का अनावरण किया। उन्होंने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ 220 केवी ग्रिड सब स्टेशन का शिलान्यास कर क्षेत्रवासियों को सौगात दी। उन्होंने अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि स्व. कैलाश चंद्र त्रिवेदी स्मृति संस्थान, रायपुर ट्रस्ट द्वारा मूर्ति निर्माण कराया जाना अपने आप में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने अपने क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए हरसंभव प्रयास किए। त्रिवेदी के योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनकी मूर्ति से नई पीढ़ी को उनके जीवन आदर्शों को आत्मसात कर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। गहलोत ने सहाड़ा विधायक गायत्री देवी त्रिवेदी की मांग पर स्व. कैलाश त्रिवेदी की स्मृति में इनडोर स्टेडियम बनाने की घोषणा की। साथ ही क्षेत्र की अन्य मांगों को भी शीघ्र पूर्ण किये जाने के लिए आश्वस्त किया।

मुख्यमंत्री ने समारोह में 220 केवी ग्रिड सब स्टेशन (जीएसएस) का शिलान्यास किया। उन्होंने इस संबंध में कहा कि राज्य सरकार किसानों और ग्रामीणों को सुचारू विद्युत आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। इस जीएसएस से किसानों को बड़ा फायदा मिलेगा और छीजत कम होगी।

इसकी स्थापना में लगभग 45 करोड़ रूपये की लागत आएगी। इससे रायपुर, गंगापुर, करेड़ा, देवगढ़, जोजावर और आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति में सुधार होगा।